आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–18 सितम्बर 2024 भोजपुरी समाचार

केन्द्रीय मंत्रीमंडल आजु एक देस–एक चुनाव से जुड़ल पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति क सिफारिस के मंजूरी दे दिहले हवे। समिति देस में केन्द्र, राज्यन अउर स्थनीय निकायन क एक साथे चुनाव करवले से जुड़ल व्यवस्था पर आपन सिफारिस दिहले हवे।

केन्द्रीय मंत्री अश्विन वैष्णव आजु कैबिनेट के फैसलन क जनकारी देति बतवले कि अब सरकार येह विषय पर व्यापक समर्थन जुटावे क कोसिस करी अउर समय अइले पर येह पर संविधान संसोधन विधेयक ले आवल जाइ। श्री वैष्णव कहले कि कइ गो राजनीतिक दलन अउर बड़हन संख्या में पारटी क नेता वास्तव में एक देस–एक चुनाव के पहल क समरथन कइले हवे। उच्च स्तरीय बइठकी में बातचीत के दौरान उहां क इनपुट बहुत संक्षिप्त तरीका से अउर बहुत फरिया के देत रहले। हमार सरकार ओह मुद्दन पर आम सहमति बनावे में विस्वास करे ला, जवन लमहर समय में लोकतंत्र अउर राष्ट्रतंत्र के प्रभावित करेला।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गाजियाबाद जिला में सात सौ सत्तावन करोड़ रूपिया से बेसी लागत के कइ गो विकास परियोजनन क लोकार्पण अउर सिलान्यास कइले। येह मौका पर मुख्यमंत्री दस हजार से बेसी नौजवानन के नियुक्ति पत्र अउर छौ हजार से बेसी नौजवानन के टैबलेट/स्मार्टफोन दिहले। अपने संबोधन में श्री योगी कहलें कि गाजियाबाद के विकास खातिर डबल ईजन क सरकार प्रतिबंद्ध हवे। आजु से सात बरिस पहिले जवन लोगि गाजियाबाद आइल होइहें ऊ आजु के गाजियाबाद के पहिचान नाही पइहें। आजु गाजियाबाद के लग्गे बारह लेन क दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ हाईवे हवे। देस क पहली रेपिड रेल, मैट्रो अउर एयरपोर्ट क सुविधों आजु गाजियाबाद के लग्गे हवे। बहुत जल्दिये हमनी के एम्स, दिल्ली के एगो सेटलाइट सेंटरों गाजियाबाद के देवे जा रहल हई।

****

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आजु नाबालिंग लोगिन खातिर **एनपीएस वात्सल्य योजना** क वर्चुअल जरिया से सुभारंभ कइलिनि। एकरे अलावा योजना क सदस्यता लेवे वाले लाभार्थियन के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नम्बरों दिहलिनि। प्रदेस के छौ गो जिलन के लेके पचहत्तर जगहिन पर योजना के लांच कइल गइल। प्रदेस क राजधानी लखनऊ के ले के अजोध्या, सहारनपुर, लखीमपुर खीरी, देउरिया अउर सम्भल कार्यक्रम से वर्चुअल तरीका से जुड़लें। ई स्कीम **नेशनल पेंशन स्कीम** के तहत जारी कइल गइल हौ। एहमें माता–पिता अपने लइकन खातिर फंड एकट्ठा कइ सकिहें, जबकि लइका क उमिति अठारह बरिस पूरा भइले के बाद ई एनपीएस में अपने आपे बदलि जाई। एनपीएस वात्सल्य में निवेस अउर पिनसिनि कंट्रीब्यूसन बदे एगो असान बिकल्प मिलेला। येह योजना में सलाना एक हजार रूपिया से इन्वेस्टमेंट क सुरूआति कइल जा सके ला, अधिकतम निवेस क कउनों सीमा नाहीं हौ। येह योजना पर चक्रवृद्धि बेयाज मिले ला, जवन लइकन के वित्तीय भविस्य सुरक्षा के तय करे ला।

****

प्रदेस में फलन अउर सब्जियन के पैदावार बढ़ावे खातिर प्रदेस सरकार तिहत्तर जिलन में हाईटेक नर्सरी बनावे क फैसिला कइले हवे। येह अनूठा पहल से न त खाली सब्जियन अउर फलन क उपज बढ़ी बलुक उनके गुणवत्तो में सुधार होई। जनकारी के हिसाबि से ई नर्सरी मनरेगा के मददि से बनी। अबले छत्तीस पौधसाला तइयार हो चुकल हइनि। जल्दिये सोरह गो नर्सरी पर कार चालू हो जाई। येह हाईटेक नर्सरी में पौधा के नियंत्रित तापमान अउर नमी में तइयार कइल जाला, जेहसे ई पौधा निरोग होलें। इनकर गुणवत्तो बढ़ियां होला।

****

केन्द्रीय माध्यमिक सिक्षा बोर्ड–सीबीएसई क बरिस दुइ हजार पचीस के बोर्ड परीक्षा में हिस्सा लेवे वाले नौवीं अउर इग्यारहवीं कक्षा के छात्रन क पंजीकरण आजु से सुरू हो गइल हौ। सीबीएसई के अधिसूचना के हिसाबि से पंजीकरण क आखिरी तारीख सोरह अक्टूबर हवे। सीबीएसई से सम्बद्ध विद्यालय सीबीएसई डॉट जीओवी डॉट इन पर अपने छात्रन क पंजीकरण करवा सके लें।

****

पितरन के श्राद्ध अउर तर्पण के समरपित पितृपक्ष क सुरूआति आजु कुवार महिन्ना के कृष्णपक्ष के प्रतिपदा तिथि से सुरू हो गइल हौ। धर्म नगरी काशी में आजु पहिला दिन्ने प्रतिपदा तिथि क श्राद्ध करे खातिर सरधालु गंगा तट अउर विमल तीर्थ पिसाच मोचन कुंड पर पहुंचलें। गंगा तट पर बाढ़ि के नाते श्राद्ध करे पहुंचे वाले लोगिन के परेसनियों क सामना करे के पड़ल। लोगि सरधा पूर्वक अपने पूर्वजन के यादि कइ के कर्मकांडी पंडित के देखरेखि में श्राद्ध करम कइलें। दशाश्वमेध घाट, सिंधिया घाट, अस्सी घाट के ले के पिसाच मोचन कुंड पर श्राद्ध बदे लोगिन क भीड़ि जुटल।

****

प्रदेस में भारी बरखा के नाते गंगा क जलस्तर बढ़ि गइल हवे। एकरे नाते बदायूं, गाजीपुर, बलिया, अउर फर्रूखाबाद में गंगा खतरा के चिन्हा से उप्पर बहि रहलि हवे। कानुपर, कानपुर देहात अउर बनारस में लगतारे बढ़ि रहलि जल स्तर से घाट पुरहर पानी में बुड़ि गइल हवें। गंगा नदी क जल स्तर बढ़ले से सिंचाई विभाग क अधिकारियन के ओरि से नदी किनारे के ग्रामीणन इलाकन के खाली करावल जा रहल हवे। येह में अबहिन ले तीन सौ से बेसी गावन के पुरहर खाली करा लिहल गइल हौ।

****